बैठकें न बुलाये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) गैर-सरकारी सदस्यों को राज भाषा क्रियान्वयन समितियों में पर्यवेक्षकों के रूप में सम्मिलित न करने के क्या कारण हैं ;

(ग) हिन्दी के प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए उसने गत वर्ष मंत्रालय के अधीन कितने कार्यालयों/अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया तथा शेष कार्यालयों का निरीक्षण कब तक पूरा हो जायेगा, और

(घ) क्या यह सच है कि विभाग पिछले पांच वर्षों से हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से सम्बन्धित वार्षिक कार्यक्रम को क्रियान्वित नहीं कर रहा है, यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) पिछले वर्ष रक्षा मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की तीन बैठकें हुई हैं । चौथी बैठक का आयोजन नहीं किया जा सका ।

(ख) रक्षा मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति में एक गैर-सरकारी सदस्य प्रेक्षक के रूप मे पहले से ही नामित है ।

(ग) वर्ष 1983–84 के दौरान रक्षा मंत्रालय के अधीन 101 कार्यालयों का निरीक्षण किया गया । अन्य कार्यालयों/यूनिटों का निरीक्षण यथाशीघ्र करने के प्रयास किए जा रहे हैं ।

(घ) रक्षा मंत्रालय के हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के सम्बन्ध में तैयार किये गये वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित करने में कुछ कमियां रह गई हैं । निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं ।

Increase in Demand of Sea Shells in U.S.A., Europe and Japan

202. SHRI M. BASAVARAJU: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item which appeared in the Statesmant of 29th May, 1984 to the effect that Sea Shells were one of the hottest export items and demand for the same has increased in USA, Europe and Japan; and

(b) if so, what steps Government propose to take with a view to make a dent in the international market for the said item in a big way?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND IN THE DEPARTMENT OF SUPPLY (SHR NIHAR RANJAN LASKAR): (a) Yes, Sir.

(b) Sea Shells constitute less than one percent of the Indian exports of marine products. No special measures have been taken to boost the exports of this commodity, but exports of marine products including sea-shells benefit from the Trade Promotion Offices of the Marine Products Export Development Authority in Japan and USA, participation in trade fairs, advertisements in leading journals in important markets, exchange of delegations etc.

Tourism Publicity Material on Mahatma Gandhi

203. SHRI M. BASAVARAJU: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have prepared publicity material on Mahatma Gandhi for use in overseas tourist offices to promote tourism in view of the success of the film 'Gandhi'; and

(b) if so, the extent to which the same has helped in promoting foreign tourism?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI KHURSHEED ALAM KHAN): (a) Yes, Sir. The following literature was published and sent to overseas offices for publicity:

(1) A portfolio titled 'The India of Gandhi'.

(2) A folder printed by the Gujarat Tourism Development Corporation on Gandhi and places connected with his life.

(3) A number of existing brochures/directories covering places associated with Gandhiji.

(b) The response has been substantial, particularly due to the interest generated by the screening of the film 'Gandhi'.

Evaluation of suitable aircraft for Air India

204. SHRI M. BASAVARAJU: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether the Sub-Committee of the Board of Directors of Air India which was constituted sometime back to evaluate various types of aircraft available in the market and recommend the most suitable aircraft for introduction into the fleet of Air India has submitted its report;

(b) if so, what are the details thereof and what action has been taken thereon; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, by when the report is likely to be submitted?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI KHURSHEED ALAM KHAN): (a) Yes, Sir.

(b) The Committee on the basis of offers available at that time recommended the acquisition of B767-200-ER aircraft but observed that there was considerable scope for negotiating the price and other terms and conditions with the two competitors viz. Boeing and Airbus Industries. Negotiations were accordingly held to obtain the best offers. The Air India Board taking into account the revised offers decided to acquire six A310-300 aircraft on operational and financial considerations.

(c) Does not arise in view of the reply given to (a) above.

वाराणसी छावनी से होकर कुछ गांवों के लिए वैकल्पिक मार्ग

205. **श्री राम नरेश कुशवाहा :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वाराणसी छावनी से होकर कुमाहर पुरवा, सरइया और फुलवारियां गांवों को जाने के लिए जो वैकल्पिक मार्ग दिये जाने का प्रस्ताव था, उसका निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है ;

(ख) यदि नहीं, तो यह कब तक आरम्भ किया जायेगा और इसके कब तक पूरा हो जाने की सम्भावना है; और

(ग) इस पर कितनी धनराशि खर्च किये जाने की सम्भावना है और अब तक कितनी धनराशि आवंटित की जा चुकी है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) जी नहीं ।

(ख) कार्य की प्रवृत्ति को देखते हुये इसके वर्षाकाल के पश्चात ही आरम्भ होने की सम्भावना है । आशा है कि कार्य के आरम्भ होने पर सडक और पुलिया का निर्माण कार्य इस कार्य के शुरू होने से छः महीने के अन्दर और पुल का निर्माण डेढ़ वर्ष में पूरा हो जायेगा ।

(ग) वाराणसी छावनी बोर्ड द्वारा तैयार किये गये अनुमानों और सक्षम